Ph.D. Entrance Test - SYLLABUS - 2020

SANSKRIT

Part - 1

Research Methodology (50%)

1 संशोधन : अर्थ, प्रकार, स्वरूप और उद्देश्य

2 शोधनिबन्धलेखन : विषयचयन, स्वरूप और लेख्यप्रक्रिया,शोधनिबन्धके प्रकार, सन्दर्भग्रन्थ-सूचीकरण

3 प्राचीन भारतीय लेखन सामग्री और लिपि के प्रकार
हस्तप्रतविज्ञान: हस्तप्रत के विविध प्रकार, आदर्श लिपिकार के लक्षण, हस्तप्रतों के सङ्ग्रहस्थान, विवरणात्मक सूचियाँ (केटलोग्स)

4 हस्तलिखित पाठ्यग्रन्थों में प्रविष्ट अशुद्धियाँ, पाठान्तर, लुप्तांश और प्रक्षेपांश

5 संस्कृत पाठसमीक्षा :अर्थ और महत्त्व
संमीक्षित संपादन के सोपान : Heuristics, Recention, EmendationऔरHigher Criticism
पाठ समीक्षा के अधिनियम और व्यवहारु सूचन
संस्कृत ग्रन्थों के पाठसम्पादन की समस्याएँ

6 समीक्षित आवृत्ति : रामायण, महाभारत, पञ्चतन्त्र, अभिज्ञानशाकुन्तल

7 संस्कृतऔर प्राच्यविद्या की संशोधन संस्थाओं का परिचय और उनकी शोध-प्रवृत्तियाँ

8 राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध शोधग्रन्थों और गुजरात में संशोधनकार्य का विवरण

Part - 2

Core Subject (50%) (UGC – NET Paper II Syllabus)

(१) वैदिक साहित्य :

- **देवता :**

  अग्नि, सवितृ: विष्णु:, इन्द्र:, रुद्र:, बृहस्पति:, अश्विनौ:, वरुण:, उषस्, सोम,

- **विषयवस्तु :**

  संहिताएँ ब्राह्मण एवं आरण्यक:, उपनिषद्

- **संवादसूक्त :**

  पुरुरवा–उर्वशी, यम–यमी, सर्मा–पणि, विश्वामित्र–नदी

- **वैदिक साहित्य का इतिहास :**

  वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त–मैक्समूलर , ए.वेबर , जैकोबी , बालगंगाधर तिलक , एम. विन्टरनिट्ज ,भारतीय परम्परागत विचार

- **ऋग्वेद का क्रम :**

  संहिताओं के पाठ–भेद

- **वेदांग**

  शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष

(२) दर्शन :

- **ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका :**

  सत्कार्यवाद, पुरुष–स्वरूप, प्रकृति–स्वरूप, सृष्टिक्रम–प्रत्ययसर्ग, कैवल्य

- **सदानन्द का वेदान्तसार :**

  अनुबन्ध–चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप–अपवादः, लिंगशरीरोत्पत्ति, पञ्जीकरण, विवर्त, जीवनमुक्ति ।

- **केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह :**

  पदार्थ : कारण, प्रमाण–प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द

(३) व्याकरण एवं भाषाविज्ञान :

- **व्याकरण :**

परिभाषाएँ–संहिता, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, धि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण टि, प्रगुह्य, सर्वनाम–स्थान–निष्ठा

कारक : सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास : लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

- **भाषाविज्ञान :**
  - भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)
  - भाषाओं का वर्गीकरण
  - भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर
  - ध्वनि सम्बन्धी नियम
  - भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएँ

(४) संस्कृत साहित्य एवं काव्यशास्त्र

निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन :

पद्य : रघुवंश, मेघदूत, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, बुद्धचरित

गद्य : दशकुमारचरित, हर्षचरित, कादम्बरी

नाटक : स्वप्नवासवदत्ता, अभिज्ञानशाकुन्तल, मृच्छकटिक, उत्तररामचरित, मुद्राराक्षस, रत्नावली, वेणीसंहार

- **काव्यशास्त्र :**

  साहित्यदर्पण :

  - काव्य की परिभाषा
  - काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन
  - शब्दशक्ति–संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना

- **रस (रस– भेद स्थायी भावों सहित)**
  - रूपक के प्रकार
  - नाटक के लक्षण
  - महाकाव्य के लक्षण